

5945 (E)
27/8/2026

पथ निर्माण विभाग

दिनांक 27/8/26 को सम्पन्न परिवाद समिति की बैठक की कार्यवाही।

पथ प्रमंडल संख्या-1, औरंगाबाद के अन्तर्गत पथ आस्तियों के अनुरक्षण हेतु दीर्घकालीन निष्पादन और उपलब्धि आधारित पथ आस्तियाँ अनुरक्षण संविदा (Long Term Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) Under Package No.-44A/OPRMC-III for the year 2026-33 कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में प्राप्त परिवाद पर विभागीय पत्रांक-2217(E) दिनांक-01.04.2026, पत्रांक-2360(E) दिनांक-09.04.2026 एवं पत्रांक-5625(E) दिनांक-17.08.2026 द्वारा गठित समिति की बैठक की कार्यवाही।

उपस्थिति:

- (i) श्री उमा कान्त रजक, अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव (कार्य प्रबंधन), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- (ii) श्री अभिषेक पलासिया, संयुक्त सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- (iii) श्री राजेश कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता, संविदा प्रबंधन, नीतिगत मामले एवं लेखा परीक्षा, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- (iv) श्री राजकुमार, मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

2. दिनांक-14.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की कार्यवाही, जो उपभागीय ज्ञापांक-2718 दिनांक-14.08.2026 द्वारा संसूचित है, में लिये गये निर्णय के विरुद्ध प्राप्त परिवाद पर मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2844(अनु०) दिनांक-22.08.2026 के माध्यम से परिवाद पर दिनांक-22.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की कार्यवाही एवं अनुशंसा के आधार पर विवरणी निम्नवत् है :-

- | | | | |
|------|--|---|---|
| 2.1 | कार्य का नाम एवं पैकेज संख्या | : | पथ आस्तियों के अनुरक्षण हेतु दीर्घकालीन निष्पादन और उपलब्धि आधारित पथ आस्तियाँ अनुरक्षण संविदा (Long Term Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) Under Package No.-44A/OPRMC-III for the year 2026-33 |
| 2.2 | योजना मद | : | 3054 |
| 2.3 | निविदा आमंत्रित करने वाले प्रमंडल का नाम | : | पथ प्रमंडल संख्या-1, औरंगाबाद |
| 2.4 | प्रशासनिक स्वीकृति की राशि एवं प्रसंग | : | ₹17657.37 लाख।
विभागीय ज्ञापांक-3247(एस०) दिनांक-12.05.2026 |
| 2.5 | तकनीकी स्वीकृति की राशि एवं प्रसंग | : | ₹20940.69 लाख।
मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का पत्रांक-1674 (अनु०), दिनांक-22.05.2026 |
| 2.6 | ECV/परिमाण विपत्र की राशि | : | ₹18809.91451 लाख। |
| 2.7 | कार्य समाप्ति की अवधि | : | 84 (Eighty-four) Months. |
| 2.8 | निविदा की प्रक्रिया | : | ई-टेंडरिंग (MBD) |
| 2.9 | निविदा प्राप्ति की तिथि | : | 03.07.2026 |
| 2.10 | प्राप्त निविदा क्या पुनर्निविदा है यदि हाँ तो कारण | : | पुनर्निविदा नहीं है। |

3. विषयांकित निविदा में निम्नलिखित 08 (आठ) संवेदकों द्वारा भाग लिया गया :-
- | | |
|--|---|
| (1) S&P Infrastructure Developer Pvt. Ltd. | (2) Ramiya Construction Private Limited |
| (3) Woodhill Infrastructure Limited | (4) M/s Bhardwaj Construction |
| (5) M/s Vinod Kumar Jain | (6) Mehta Construction Co. |
| (7) Shivalaya Construction Ltd. | (8) JMDC Classic Engincon (JV) |

4. उपरोक्त कार्य की निविदा में कुल 08 (आठ) निविदाकारों यथा—(i) S&P Infrastructure Developer Pvt. Ltd., (ii) Ramiya Construction Private Limited, (iii) Woodhill Infrastructure Limited, (iv) M/s Bhardwaj Construction, (v) M/s Vinod Kumar Jain, (vi) Mehta Construction Co., (vii) Shivalaya Construction Ltd., एवं (viii) JMDC Classic Engincon (JV) द्वारा भाग लिया गया।

दिनांक-14.08.2026 को तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति द्वारा 08 (आठ) निविदाकारों में 07 (सात) निविदाकार (i) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. को NIT की कंडिका-39, MBD Section 3 Clause 1.2.3, Clause 2.2.2 एवं Clause 1.2.1 (b) के तहत (ii) Ramiya Construction Private Limited को MBD Section 3 Clause 1.2.3 के तहत (iii) Woodhill Infrastructure Limited को NIT की कंडिका-39, MBD Section 3 Clause 1.2.3 के तहत (iv) M/s Vinod Kumar Jain को NIT के क्रमांक-28 के तहत (v) Shivalaya Construction Ltd. को NIT की कंडिका-14 के तहत (vi) JMDC Classic Engincon (JV) को NIT की कंडिका-39, MBD Section 3 Clause 1.2.3 के तहत एवं (vii) M/s Bhardwaj Construction को MBD Section 4E.5 के तहत तकनीकी बीड में असफल तथा शंष 01 (एक) निविदाकार Mehta Construction Co., को तकनीकी बीड में सफल घोषित करने का निर्णय लिया गया।

5. उपभागीय ज्ञापांक-2718 दिनांक-14.08.2026 द्वारा संसूचित दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की निर्णय के विरुद्ध विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा (1) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. के पत्रांक-S&P/Admin/2026-27/184, दिनांक-14.08.2026, (2) Woodhill Infrastructure Limited का पत्रांक-शून्य, दिनांक-17.08.2026 (3) M/s Vinod Kumar Jain का पत्रांक-VKJ/OPRMC/015 दिनांक-16.08.2026 (4) Shivalaya Construction Ltd. का पत्रांक-Ref. SCL-Bids/RCD/Bihar/2026/Pkg-44A/01, दिनांक-17.08.2026 एवं (5) M/s Bhardwaj Construction का Ref. No.-110 दिनांक-17.08.2026 के द्वारा परिवाद/ अभ्यावेदन/ आपत्ति समर्पित किये जाने के परिप्रेक्ष्य में मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2844(अनु०) दिनांक-22.08.2026 द्वारा परिवाद पर दिनांक-22.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की बैठक की कार्यवाही एवं अनुशंसा समर्पित की गई है।

6. **परिवाद :-** उपरोक्त तकनीकी बीड में असफल 05 (पाँच) निविदाकार (i) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. के पत्रांक-S&P/Admin/2026-27/184, दिनांक-14.08.2026, (ii)

Woodhill Infrastructure Limited का पत्रांक-शून्य, दिनांक-17.08.2026 (iii) M/s Vinod Kumar Jain का पत्रांक-VKJ/OPRMC/015 दिनांक-16.08.2026 (iv) Shivalaya Construction Ltd. का पत्रांक-Ref. SCL-Bids/RCD/Bihar/2026/Pkg-44A/01, दिनांक-17.08.2026 एवं (v) M/s Bhardwaj Construction का Ref. No.- 110 दिनांक-17.08.2026 द्वारा विषयांकित कार्य के तकनीकी बीड मूल्यांकन पर परिवाद प्राप्त हुआ है, जो निम्नवत् है :-

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
1.	S&P Infrastructure Developers(P) Ltd.	Alleged declaration as Non-Performer Clause 2.2.2 of Section 3, read with Form CON-1, says that contract non-performance during the last five years can be considered only when the dispute has been fully settled. It also explains that a dispute is fully settled only after it has been decided under the contract and all available appeals have been completed. In our case, there is no such final decision. A rectification notice, departmental letter, internal remark, or pending dispute cannot by itself prove that a contractor is a Non-Performer under Clause 2.2.2. We have never received any show-cause notice or final order declaring us a Non-Performer for the Ara-Chapra via Babura-Doriganj Road work. The technical evaluation also does not mention the number, date, issuing authority, or validity of the alleged order. We therefore request you to provide us a copy of the order relied upon. Until such a final order is shown, this reason should not be used to reject our Bid. The Ara-Chapra via Babura-Doriganj Road work has already been completed. After completion, the Executive Engineer issued a letter dated 08.06.2026 <u>for some rectification work.</u> We responded and arranged the required manpower and machinery. The work took some time because resources had to be arranged again and permission was required from the District	कार्यपालक अभियंता, शाहाबाद पथ प्रमंडल, आरा का पत्रांक-3528 दिनांक-31.12.25 पत्रांक-1167 दिनांक-30.03.26, पत्रांक-1682 दिनांक-25.05.26 एवं अधीक्षण	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

✓

20

20

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		Administration for traffic management. These facts were explained in our letters dated 13.07.2026 and 01.08.2026. This is only a rectification matter after completion of the work. It has not been finally decided against us under the contract. Therefore, it should not be treated as poor performance or as a ground for rejecting our Bid under Clauses 1.2.1(b) and 2.2.2. Declaring a contractor as a Non-Performer has serious effects on its business. Before taking such action, the contractor must be issued the Show Cause Notice of the proposed action and given a proper chance to explain its case. We were not given any such notice or opportunity and even also not been issued a formal letter declaring us a Non-Performer. Therefore, application of Clauses 1.2.1(b) and 2.2.2 for disqualification is beyond the terms of the tender. Certificate for ongoing works The second reason says that the Engineer-in-Charge certificate for one ongoing work was not uploaded as required under Clause 1.2.3 of Section 3, Section 4E.10/Form FIN-4, and Serial No. 39 of the NIT. However, the evaluation does not mention which work or certificate is missing. It also does not show the amount taken for that work or the calculation of our bid capacity. We had disclosed all our ongoing works in the Bid and submitted the certificates available with us. Copies of the certificates are again enclosed for easy reference. We had given the name of each project, the employer, contract amount, completion period, and balance commitment. We did not hide any work or liability. In EPC contracts, the officer performing the role of Engineer-in-Charge is generally called the	अभियंता का पत्रांक-1234 (अनु०), दिनांक-18.06.26 जो कि परिवाद में संलग्न है, से स्पष्ट है कि क्षेत्रीय अभियंताओं द्वारा कार्य करने हेतु निदेशित किया गया है, परन्तु संवेदक द्वारा कार्य नहीं किया गया है। कार्यपालक अभियंता द्वारा स्पष्ट लिखा गया है कि TTRI के जाँच प्रतिवेदन से स्पष्ट होता है कि आपके द्वारा आरा- छपरा भाया बबुरा पथ के चैनेज 8 से 9 कि०मी० में कराये गये PQC कार्य Specification के अनुरूप नहीं है। अतः अपने खर्च पर उक्त कार्य का Dismantle कर पुनः Specification के अनुरूप PQC कार्य कराना सुनिश्चित करें। निविदाकार का उक्त कार्य MBD Section-3 की कंडिका 1.2.1 (b) poor performance की श्रेणी में आता है। अतः परिवाद का आरोप मान्य नहीं है।	

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		Authority's Engineer or Authority Engineer under Article 18 of the EPC Agreement. Therefore, a certificate issued by the competent Authority Engineer should be accepted even though the designation is different. We are not asking for any change in our Bid or for adding any new experience or qualification. We are only asking for confirmation of the information already submitted with the Bid. Under ITB Clauses 22 and 25, the Authority may ask the bidder for clarification or supporting documents, provided that the Bid price and its main contents are not changed. The required confirmation would only verify the details already given in Form FIN-4 and would not change our Bid in any manner. The issue relates to only one work out of around 30 works disclosed by us. If there was any doubt, the Authority could have asked us for clarification. It could also have taken the full balance value of that work while calculating our bid capacity and checked whether we still met the requirement. We therefore request the Evaluation Committee to tell us which certificate is considered missing and provide the bid-capacity calculation. We are ready to submit the required confirmation from the Authority Engineer/Engineer-in-Charge immediately. In view of the above, the Bidder respectfully requests that the competent authority to declare our bid responsive/qualified in accordance with tender documents and open our Financial bid. This representation is made bona fide and without prejudice to all contractual, statutory, and constitutional rights and remedies available to the Bidder. The Bidder requests a speaking decision before the Financial Bids are opened	NIT की कंडिका-28 के अनुसार Existing Commitment of ongoing work के सूची में सभी कार्य के Supporting document EIC द्वारा निर्गत पत्र Upload किया जाना आवश्यक है। अतः परिवाद में उल्लेखित बिन्दु को अमान्य किया जाता है।	

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		and communicated to it at the earliest.		
2.	Woodhill Infrastructure Limited	1. कंपनी के आधिकारिक लेटर हेड पर बिड क्षमता एवं विवरण का समर्पण : हमारी कंपनी द्वारा निविदा के साथ अपने आधिकारिक लेटर हेड (Company Lettehead) पर हस्ताक्षरित एवं सत्यापित बिड क्षमता (Bid Capacity) का पूर्ण विवरण एवं चल रही योजनाओं (Existing Commitments/ Ongoing Works) की तालिका समर्पित की गई है, जो हमारी वित्तीय एवं भौतिक क्षमता को पूर्ण रूप से स्पष्ट करती है। 2. प्रक्रियात्मक भूल (Procedural Omission): कार्यवाही के कंडिका 4.2 (iii) में उल्लेखित 'अभियंता— प्रभारी (Engineer-in-Charge) द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित Existing Commitment प्रमाण—पत्र अपलोड न होने' की स्थिति मात्र एक अनजाने में हुई प्रक्रियात्मक भूल है। कंपनी द्वारा लेटर हेड पर प्रस्तुत किया गया डेटा पूर्णतः सत्य एवं प्रामाणिक है। 3. हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि हमारी कंपनी द्वारा अपनी सभी चल रही योजनाओं (Ongoing Works) RFP की भातों के अनुसार निविदा में सफलतापूर्वक संलग्न किये गए हैं। निविदा की सभी आवश्यक पात्रता एवं पारदर्शिता मानदंडों (Bidding & Transparency Criteria) को पूर्ण करने के आधार पर, हमारी निविदा को 'Responsive' (अर्ह) माना जाए एवं हमारी वित्तीय बोली (Financial Bid) खोलने की कृपा करें। 4. EIC प्रमाणपत्र/ Existing Commitment लाइन संबंध स्पष्टीकरण : यह स्पष्ट किया जाता है कि पूर्व में प्रासंगिक विभाग/कार्यालय से समय पर 'अभियंता— प्रभारी (Engineer-in-Charge)' द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित प्रमाणपत्र की प्रतिप्राप्त/ उपलब्ध न हो पाने के	NIT की कंडिका-28 के अनुसार Existing Commitment of ongoing work के सूची में सभी कार्य के Supporting document के EIC द्वारा निर्गत पत्र Upload किया जाना आवश्यक है। अतः परिवाद में उल्लेखित बिन्दु को अमान्य किया जाता है।	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		कारण यह विशिष्टलाइन/ दस्तावेज मूल निविदा के साथ संलग्न नहीं किया जा सका था। अब चूंकि यह उपलब्ध/ सत्यापित हो चुका है, अतः इसे वर्तमान में विधिवत संलग्न कर प्रस्तुत किया जा रहा है।		
3.	Vinod Kumar Jain	An advocate welfare stamp is not governed by the Indian Stamp Act, 1899. Instead, it is mandated by specific State Advocates' Welfare Fund Acts or the central Advocates' Welfare Fund Act, 2001, and it is legally required to be affixed on a Vakalatnama, not strictly on an ordinary affidavit to make the affidavit valid. The welfare stamp is a statutory requirement meant to be pasted and cancelled on a Vakalatnama (the authorization document given to a lawyer) to fund the welfare and social security of advocates. Whereas, the validity of an affidavit itself falls under the Code of Civil Procedure (CPC), the Oaths Act, and the general stamp duty requirements for affidavits under the Indian Stamp Act, 1899 (or state amendments), rather than advocate welfare legislation. Since the submitted Affidavit is not a Vakalatnama mandated to be affixed under specific State Advocates' Welfare Fund Acts or the central Advocates' Welfare Fund Act, 2001, rather it is a document falls under the Code of Civil Procedure (CPC), the Oaths Act, and the general stamp duty requirements for affidavits under the Indian Stamp Act, 1899 (or state amendments), hence Advocate Welfare Stamp is not required to be affixed on the Affidavit. Therefore, the Contractor's/Bidder's Bid cannot be considered as "non-responsive" on this ground.	निविदाकार द्वारा निविदा के साथ Uploaded शपथ-पत्र में वांछित शपथ-पत्र पर Additional Rs. 25/- का Advocate Welfare stamp affix नहीं किया गया है। विभागीय पत्रांक-3608 (E) दिनांक- 22.05.2020 द्वारा किये गए प्रावधान It is mandatory to attached Rs. 25/- Advocate welfare stamp on affidavit for advocate welfare fund. तदनुसार MBD NIT की कंडिका-28 पर निदिष्ट उक्त वांछित अहर्ता का अनुपालन नहीं किया गया है, अतः निविदाकार की आपत्ती को अमान्य किया जाता है।	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत
4.	Shivalaya Construction	Due to a typographical error on the part of the bank, 'Sherghati' was written	इनके द्वारा uploaded BG में To The	तकनीकी बीड

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
	Private Ltd.	instead of 'Aurangabad'. This bank guarantee was issued in favor of "EE Aurangabad". You have already obtained direct confirmation from "Karnataka Bank Limited". The bank has also confirmed this via a letter dated 13.07.26 (a copy of the bank's confirmation is attached herewith for your reference).	Executive Engineer Road Division, Sherghati अंकित है जबकि निविदा OPRMC-III Package 44A Aurangabad का है। अतः परिवाद अमान्य किया जाता है। इनके द्वारा Central Government/ Any State Government or Any PSU का Registration से संबंधित कोई कागजात निविदा के साथ अपलोड नहीं किया गया है। विभागीय पत्रांक-6158(S), दिनांक-09.07.14 के अनुसार Registration प्रथम प्रक्रम में आता है। उक्त पत्र के कंडिका-5.1 प्रथम प्रक्रम में उल्लेखित है कि "यह प्रक्रम निविदाओं के तकनीकी बीड में सफल होने के लिए अनिवार्य होगी। इस प्रक्रम पर असफल पाये जाने वाले निविदाकारों के तकनीकी बीड प्रारंभ में अस्वीकृत होगा।	मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
			और किसी हालत में विचारणीय नहीं होगा। अतः परिवाद में उल्लेखित बिन्दु को अमान्य किया जाता है।	
5.	M/s Bhardwaj Construction	That this objection/representation is being filed by the petitioner in pursuance of order dated 14.08.2026 by which the technical bid of the petitioner has been rejected on the ground that he has not shown the column for pending litigation whereas a writ petition bearing CWJC No. 7703 of 2026 is pending before the Hon'ble High Court, Patna regarding payment of the price escalation as provided under clause 10 (C), (A) and 10 (C), (c) under Vaishali Road Division, Hajipur, Road Construction Department whereas the said clause is a non essential condition and whereas the technical bid of some other similarly situated bidder has been passed and they have been declared successful as will be apparent from the statements made in paragraphs here in below. A copy of the order dated 14.08.26 is annexed here with and marked as Annexure-1 2. That it is relevant to mention some relevant facts for better appreciation of this case. 3. That it is stated that a NIT was published for work namely OPRMC under package no. 49A OPRMC-III for the year 2026-33 Road Division Sherghati and the price of the contract was Rs. 15414.06 Lacs and as the petitioner was having all the requisite qualification he	निविदाकार M/S Bhardwaj Construction के विरुद्ध Litigation लंबित है, जिसे Pending Litigation अन्तर्गत नहीं दर्शाया गया है। जिस कारण MBDS Section-3 Clause 2.2.1, Section 4E.5 का उलंघन है। अतः परिवाद को अमान्य किया जाता है।	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		also participated in the said bid by filing an appropriate bid form along with all the requisite documents and requisite earnest money as will be apparent from the report attached in the abovesaid order dated 14.08.2026 from perusal of which it will manifestly be apparent that the petitioner mentioned in column no. 5 that he is fulfilling all the essential condition as mentioned in notice inviting tender and MBD and he is having all the requisites experience required for the said work. 4. That it is stated that altogether 6 tenderors including MG contractor Pvt. Ltd, Dwarika Singh and the petitioner but the technical bid of the petitioner has been rejected on the ground that he has not mentioned regarding the pendency of above mentioned CWJC No. 7703 of 2026 which was a non essential condition as this condition has nothing to do with the nature of the abovesaid work but at the same time the technical bid of Dwarika Singh (who has also not disclosed regarding the pendency of CWJC No. 16829 of 2025 Dwarika Singh Versus The State of Bihar & others and have mentioned the said column regarding pending litigation as not applicable) has been approved and he has been declared successful in technical bid but the case of the petitioner has been differently treated as will be apparent from the present status of the abovesaid case CWJC No. 16829 of 2025 and from the perusal of the letter dated 30.06.2026 showing that Dwarika Singh had mentioned the word not applicable regarding pending litigation. A copy of the present status of case of CWJC No. 16829 of 2025 along with letter dated 30.06.2026 issued by Dwarika Singh is annexed here with and marked as Annexure-2 5. That it is also relevant to mention here		
			Dwarika Singh,	

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		that likewise in other tenders for similar works, the technical bid of some other bidder who have not disclosed regarding pendency of cases before Hon'ble High Court, Patna in the column of pending litigation but they have been declared successful in technical bid. For example M/s Mother India Construction Pvt. Ltd has file CWJC No. 2824 of 2025 which is pending before the Hon'ble High Court, Patna and he has also not disclosed the abovesaid facts in the tender document but he has been declared successful in several technical bids in package no. 34(B) under Ara Division package no. 33(A) under Sheikhpura Division, package no. 46(A) and 46(B) under Jehanabad Division likewise one BaijnathNirman India Pvt. Ltd. had also filed CWJC No. 16954 of 2024 which is also pending and despite non discloser of the same in the tender document, he has been declared successful in technical bid in package no. 40(B) under Hilsa Division and one Sristi Developers Pvt. Ltd. has also filed CWJC No. 10134 of 2026 which was pending till 13.07.2026 but the same has not been disclosed by him in the tender form filled up/ submitted by/ before 03.07.2026 but he has also been declared successful in technical bid in package no. 40(B) under Hilsa Division, package no. 48(B). under Nawada Division, package no. 39(A) under Biharsharif Division and package no. 22(A) under Katihar Division but the case of the petitioner has been treated differently all the abovesaid fact will manifestly be apparent from the cases status published on the high site and as such it is manifestly evident that the abovesaid condition of disclosing the pending litigation is purely a non essential condition and the technical bid of the petitioner out not to have been rejected on such grounds as he is fulfilling all the essential conditions.	M/s Mother India Construction Pvt. Ltd., Baijnath Nirman India एवं Sristi Developers Pvt. Ltd. द्वारा इस निविदा में भाग नहीं लिया गया है। अतः विचारणी नहीं है।	

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		Copies of the present case status is annexed here with and marked as Annexure-3 Series 6. That at this stage it is relevant to mention here that it has been held in so many cases by the Hon'ble High Court, Patna that in all tender process the requirement can be broadly categorize as those which laid down essential conditions of eligibility and the other which are merely insularly or subsidiary to the main object and in the present case requirement of clause 2.2.1 of the MBD is not related with the main object of the work and hence the rejection of technical bid of the petitioner is bad in law it is also relevant to mention here that it is also settled principle that the concerned authorities should realized that award of contracts are sources of livelihood and the concerned authorities should not insist on hyper technicalies and here splitting and they must give up there image of specializing in finding out all the wrong and hyper technical reasons to defeat genuine cases but in the present case the technical bid of the petitioner has been rejected on the ground relating to a very non essential condition. 7. That in view of the abovesaid facts and circumstances it is manifestly apparent that the case of the petitioner has been rejected on a very hyper technical ground as the condition laid down in 6 clause 2.2.1 of the MBD which is a non essential condition as will be apparent from the abovesaid statements that some similarly situated other bidders have been declared successful in the technical bids where as they have also not fulfilled the condition of abovesaid clause 2.2.1 which itself clarifies that it is a non essential condition It is, therefore, prayed that your lordships may graciously be pleased to		

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		consider this objection/representation and after hearing the petitioner be pleased to allow this objection/representation petition and approve/pass the technical bid of the petitioner and be pleased to declare the petitioner successful in technical bid and be pleased to open his financial bid. And/Or Pass such order/orders may deem fit and proper.		

7. परिवाद की समीक्षा एवं तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा:-

समिति द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के निर्णय को यथावत् रखने की अनुशंसा की जाती है।





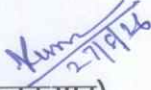
8. परिवाद समिति का निर्णय :-

(i) विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा (1) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. के पत्रांक-S&P/Admin/2026-27/184, दिनांक-14.08.2026, (2) Woodhill Infrastructure Limited का पत्रांक-शून्य, दिनांक-17.08.2026 (3) M/s Vinod Kumar Jain का पत्रांक-VKJ/OPRMC/015 दिनांक-16.08.2026 (4) Shivalaya Construction Ltd. का पत्रांक-Ref. SCL-Bids/RCD/Bihar/2026/Pkg-44A/01, दिनांक-17.08.2026 एवं (5) M/s Bhardwaj Construction का Ref. No.-110 दिनांक-17.08.2026 द्वारा दिए गए परिवाद/आपत्ति को अमान्य करने का निर्णय लिया गया।

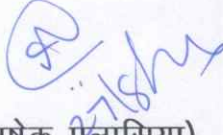
(ii) उपभागीय ज्ञापांक-2718 दिनांक-14.08.2026 द्वारा संसूचित दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के निर्णय को यथावत् रखा गया। साथ ही विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में एक निविदाकार के सफल होने के फलस्वरूप निविदा को रद्द कर पुनर्निविदा आमंत्रित करने का निदेश दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को दिया गया।

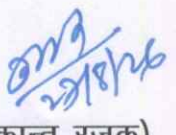
(iii) मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना संबंधित परिवादी बीडर को समिति के निर्णय से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

8.1 परिवाद समिति की इस कार्यवाही को विभागीय वेबसाइट पर भी डाली जाय।


(राजकुमार)
मुख्य अभियंता,
दक्षिण, पथ निर्माण
विभाग, बिहार, पटना।


(राजेश कुमार गुप्ता)
मुख्य अभियंता, संविदा
प्रबंधन, नीतिगत मामले
एवं लेखा परीक्षा,
पथ निर्माण विभाग,
बिहार, पटना।


(अभिषेक पैलासिया)
संयुक्त सचिव,
पथ निर्माण विभाग,
बिहार, पटना।


(उमा कान्त रजक)
अभियंता प्रमुख-सह-अपर
आयुक्त-सह-विशेष सचिव
(कार्य प्रबंधन),
पथ निर्माण विभाग,
बिहार, पटना।

ज्ञापांक: प्र0-7/निविदा-03-119/2026 5945 (E)

पटना, दिनांक 27/8/2026

प्रतिलिपि:- मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना/ मुख्य अभियंता(अनुश्रवण), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित/ आई0टी0 मैनेजर, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।


(उमा कान्त रजक)
अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव(कार्य प्रबंधन),
पथ निर्माण विभाग, बिहार पटना।